दी जायें, तो भारत की सेनाएं क्या कर रही हैं, हमारी सीमा सुरक्षा बल क्या कर रही है, दिल्ली में बैठी सरकार क्या कर रही है? मैं पूछना चाहता हूं कि आप कब तक यह करते रहेंगे और मैं समझता हूं कि यह सरकार की असफलता का बड़ा भारी नमूना है और सरकार को अपनी असफलता को मानना चाहिए। मुझे लगता हैं कि यह सरकार निहायत बेशर्मी से सत्ता पर बनी हुई है। पिछली सरकार में भी होता रहा है जब ईंट-भट्ठें पर काम करने वाले लोग मारे जाते रहे है। मैं पूछना चाहता हूं कि आपकी पकड़ क्या है? आपकी सेनाएं अन्दर तक क्यों नहीं जा रही हैं? मुझे लगता है कि यह सरकार भी पिछली कांग्रेस सरकार की तरह ही आतंकवादियों को दिल्ली में बुला कर बातें कर रही है और उनको अधिक स्वायत्तता देने की बात कर रही है।

उप-सभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): आप अपने विषय पर ही बोलिए।

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता: श्रीमान् जी, मैं अपने विषय पर ही आ रहा हूं। यह जो सारी घटनाएं घट रही हैं, इसे सरकार कब तक रोकना चाहती है? और इसलिए मैं मांग करता हूं कि जो 11 मजदूर मारे गये हैं उनके परिवारों को कम से कम दो लाख रुपया प्रति मजदूर मुआवजा दिया जाना चाहिए। मुझे जानकारी नहीं है कि आपकी सरकार इस प्रकार की जो हत्याएं होती हैं, उनको क्या मुआवजा देती है। इसका जवाब देना चाहिए। जब तक कड़ी कार्रवाई आतंकवादियों के खिलाफ नहीं करेंगे तब तक यह मामला सुलझने वाला नहीं है। इसलिए बीजेपी ने यहां तक मांग की थी कि अगर ये शांतिपूर्ण तरीके से नहीं मानते हैं तो भारत की सेनाओं को पाक अधिकृत कश्मीर के इलाके में जाकर आतंकवादियों को समाप्त करना चाहिए, क्योंकि इसके बगैर आतंकवाद की कार्रवाई नहीं रूकेगी। बहुत-बहुत धन्यवाद।

RE. AIRCRASH AT MANDI IN HIMACHAL PRADESH

श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश): उप-सभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस माननीय सदन का ध्यान हिमाचल प्रदेश के मण्डी जिले में ज्वालापुर क्षेत्र में कल विमान दुर्घटना की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। महोदय, कल मंत्री महोदय ने इस दुर्घटना की जानकारी देते हुए कहा कि यह दुर्घटना वहीं अधिघटित हुई जहां दो वर्ष पूर्व हिमाचल के और पंजाब के उस समय के राज्यपाल सुरेन्द्र नाथ वर्मा की एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हुई थी, जो कि सही नहीं है। वर्तमान दुर्घटना मण्डी जिले के ज्वालापुर क्षेत्र में घटी है जब कि वह घटना रोहण्डा क्षेत्र में घटी थी, जहां का फासला लगभग 60-70 किलोमीटर है। जो यह दुखद घटना घटी है, इस पर मैं गहरा शौक व्यक्त करता हूं और मृतकों की आत्मा की शान्ति के लिए परमात्मा परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं। मैं इस दुखद घटना पर कोई राजनीतिक बात नही कहना चाहता लेकिन यह कटु सत्य है कि जब से इसके पूर्व की कांग्रेस सरकार ने हिमाचल को प्राइवेट एयर टैक्सी सर्विसेज के हवाले की है, उनके रहमोकरम पर छोड़ी है और वायुदूत की सेवा बन्द की है तब से वे सभी नियमों को ताक पर रखकर, मनमाने ढंग से उड़ाने भरते हैं। जब मौसम खराब होता है तब भी उड़ान भरते हैं और कभी ठीक मौसम होने पर भी किसी न किसी तकनीकी बहाने की आड़ में वे उड़ाने रद्द कर देते हैं। यही नहीं, किराये के नाम पर वे मनमानी लूट मचा रहे हैं। कुल्लू से दिल्ली का किराया 3,046 रुपये है जब कि मुम्बई जाना सस्ता है, नेपाल जाना सस्ता है परन्तु कुल्लू जाना मंहगा है। महोदय, यहीं नहीं मैं कुछ और जानकारी आपको देना चाहूंगा।

उप-सभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): उस ट्रेजडी के ऊपर ही आप बोलें।

श्री महेश्वर सिंह: मैं कुछ तथ्य भी आपके सामने रखना चाहूंगा। मंत्री महोदय ने अभी तक स्टेटमेंट नहीं दिया है। इतनी बड़ी घटना घटी है और 24 घंटे बीत गये हैं। मंत्री महोदय ने कल स्वयं कहा कि 12.30 बजे तक भारी वर्षा हो रही थी जहां पर प्लेन क्रेश हुआ, उसको लोकेट करना सम्भव नहीं था। महोदय, शिमला में कल प्रात: से ही मौसम खराब था तो इस उड़ान को भरने की अनुमति किसने दी? अर्चना एयरवेज को जो लाइसेन्स दिया गया है वह लाइसेन्स दिल्ली से शिमला और दिल्ली से कुल्लू उड़ान भरने का है यह उड़ान कुल्लू वाया शिमला कैसे गई? किसने इसका अनुमति दी?

महोदय, मैं आपका ध्यान इन उड़ानों के समय की ओर दिलाना चाहूंगा। जो शिमला के लिए यहां से उड़ान चलती है ...

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): मंत्री महोदय का स्टेटमेंट--हो गया?

श्री महेश्वर सिंह: जी, हां। वह आये। लेकिन यह एक बहुत ही दुखद घटना है कि किस प्रकार से ऐसे लोगों को संरक्षण दिया जा रहा है। जो यहां से उड़ान जाती है उसका समय शिमला के लिए 5 बजकर 45 मिनट है। कुल्लू के लिए जो समय है वह 8 बजकर 20 मिनट का है। उन्होंने

मनमाने ढंग से दोनों उड़ानों को क्लब किया है किसने यह अनुमति दी जब मौसम खराब था? यह प्लेन यहां से 7 बजे चला था, 8.13 पर शिमला पहुंचा। वहां पर वर्षा हो रही थी वहां विजुअल फ्लाइंग है यही नहीं वहां मेट सिस्टम भी उपलब्ध है जिससे वहां के मौसम का अनुमान लग सकता है। शिमला से कुल्लू के लिए केवल 17 मिनट की उड़ान है। मंत्री महोदय ने स्वयं माना है कि जो वहां से उड़ान भरी गई वह 8 बजकर 33 मिनट पर भरी गई। प्लेन को कुल्लू में 8-50 बजे तक पहुंच जाना चाहिए था। वह प्लेन 8-50 बजे वहां नहीं पहुंचा। वह रास्ता भटक गया क्योंकि बादल बहुत ज्यादा थे। जहां पर यह दुर्घटना हुई है, मंत्री महोदय, हम कई बार उस प्लेन में गये हैं, वह उसका रास्ता ही नहीं है। उसको ज्वालापुर के पहाड़ों में वे घुमाते रहे और अन्ततोगत्वा वहां के पहाड़ों की चोटी से टकरा गया और प्लेन में सवार लोगों की जानें चली गईं। यह तो शुक्र है कि यहां से शिमला जाती बार यह दुर्घटना नहीं हुई, नहीं तो 19 लोग मरते।

महोदय, आजकल मली मास होने से, पुरूषोत्तम मास होने से ब्याह-शादी अभी रुकी हैं नहीं तो ज्यादातर लोग इसमें हनीमून-कप्पल होते। नवविवाहित जोड़े मर जाते। आखिर कौन इसके लिए जिम्मेदार होता ऊपर से सरकार स्टेटमेंट नहीं दे रही है।

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): यह प्रश्न बाद का है।

श्री महेश्वर सिंह: श्रीमन्, मैं मंत्री महोदय से यह मांग करना चाहूंगा कि एक तो इस सारी घटना की जांच की जाए, दूसरे इसमें अगर कोई दोषी है तो उसका लाइसेन्स रद्द किया जाए और हमको इस प्रकार की निजी हवाई सेवाओं के रहमोकरम पर न छोड़ा जाये। वहां पर इंडियन एयर लाइन्स की फ्लाइट भी चलाई जाये ताकि सुरक्षित वातावरण में हम लोग यात्रा कर सकें और मौत के मुंह में जाने से बच सकें।

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Mr. Vice-Chainnan, Sir, I would like to associate myself with what Shri Maheshwar Singh. It is the most unfortunate tragedy. I raised a point of order today during the zero hour. It is a precedent in the House. Whenever a statement is made, we are entitled to seek clarificatioins. It was a *suo motu* statement. It had been denied to us yesterday. This is the only mechanism the Parliament has to have an administrative control over different agencies. Here the Minister had mentioned yesterday that the Director, Air Safety had been appointed. The report will come after five or six months. But the Government has not come with a statement. Therefore, I would request the Government to make a statement at least by Monday and give us the opportunity to find Qut what went wrong, because I am sure that the D.G.C.A. has failed here. The visibility was very poor. How did the D.G.C.A. and the Air Traffic Control give permission for this plane to take off?

So, I would request the Government to come forward with more details and give an opportunity to the Members to seek clarifications. Thank you very much.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVED1): I hope the sentiments of the House will be conveyed to the hon. Minister by the Ministers who are present here.

RE. FINANCIAL CRISIS IN HARYANA DUE TO IMPOSITION OF TOTAL PROHIBITION

SHRI S.S. SURJEWALA (Haryana): Mr. Vice-Chairman, Sir, a deep financial crisis has been created in the State of Haryana as a result of the imposition of very heavy taxes to offset the loss caused by total prohibition which has been imposed in the State from the 1st of July, 1996.

Mr. Vice-Chairman, the situation has been further confounded by unprecedented hike in petroleum produce like diesel, petrol and LPG by the Government of India. The Chief Minister of Haryana has sent an SOS to the Prime Minister and has requested that the Government of India should come to the rescue of the State Government by providing a very liberal special grants so that the losses caused by enforcement of total prohibition can be taken care of. The taxes levied by the State Government are all-pervading covering all sections of the society. The power tariff has been increased to the extent of...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI): You better confine yourself to the main point.

SHRI S.S. SURJEWALA: Sir, I will not take more than two minutes. A consumer who consumes upto 40 units of power has now to